	Publication: Navoday Times
	Edition: New Delhi
	Date: 27th July 2014
	Page: 03

प्रथम अंतरराष्ट्रीय गौसर दिवस के मौके पर निकाला मार्च

गौसर रोग से ग्रसित लोग पहुंचे प्रधानमंत्री आवास

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजैंसी): सैकड़ों की संख्या में गौसर रोग से ग्रसित लोगों ने शनिवार को प्रधानमंत्री आवास तक मार्च कर इस दुर्लभ रोग से पीड़ित लोगों का मुफ्त इलाज मुहैया करने की मांग की।

प्रथम अंतरराष्ट्रीय गौसर दिवस के मौके पर लायसोमल स्टोरेज डिसार्डर सपोर्ट सोसाइटी ने इस मार्च का आयोजन किया था, जिसमें इस रोग से ग्रसित लोग, उनके परिजनों ने हाथों में तख्तियां और बैनर ले रखे थे। सात वर्षीय मोहम्मद अहमद अपने पिता सिराजुद्दीन और मां अनवारी बेगम के साथ मार्च में मौजूद था। इस साल अप्रैल में उच्च न्यायालय का आदेश आने पर अहमद वह प्रथम रोगी था जिसका एम्स में मुफ्त इलाज

किया गया था। अहमद इस दंपत्ति की आखिरी संतान है। उसके तीन भाई और एक बहन की इस दुर्लभ आनुवांशिक रोग से मौत हो चुकी है। रिक्शा चालक सिराजुद्दीन ने बताया कि इस रोग के लिए एक मात्र

■ पीड़ित लोगों का मुफ्त इलाज मुहैया करने की कर रहे मांग

उपलब्ध इलाज पर महीने का खर्च पांच छह लाख रुपए का आता है और यह इलाज जीवन भर चलता रहता है। अहमद की ओर से दिल्ली उच्च न्यायालय में मुकदमा लड़ रहे अधिवक्ता अशोक अग्रवाल ने कहा कि एक समय में दी जाने वाली आर्थिक सहायता और कभी-कभी होने वाले निजी वित्तीय अनुदान से समाधान नहीं होगा। सरकार को एक रुख अख्तियार करना होगा और इन रोगियों की जान के लिए जवाबदेह होना होगा।